मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 22 मई 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमीतत्व / दिनांक	22/05/15	23/05/15	24/05/15	25/05/15	26/05/15
वर्षा (मि.मी.)	0	1	1	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	44	45	46	45	44
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	30	31	31	30	29
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	4	5	5	1	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	48	54	52	38	36
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	20	18	14	12	10
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	20	22	24	22	20
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

आगामी पांच दिनों में तेज हवा चलने की संभावना।

सिंचित मूंगफली की बुवाई का उपयुक्त समय जून माह का प्रथम पखवाडा है। खेत को एक बार मिट्टी पलटने वाले हल से तथा बाद में हैरो से 2–3 बार जुताई कर तैयार करलें।

मूंगफली के खेत की तैयारी के समय 1.5 किलो ग्राम ट्राईकोडर्मा नामक मित्र फफूंद को 50 किलो मींगनी की खाद में मिलाकर एक हैक्टेयर खेत में भुरकाव करें और उसके बाद तवीये निकाल दें ताकि मित्र फफूंद जमीन मे अच्छी तरह मिल जाए। इस से मूंगफली की फसल में जड़ गलन रोग का प्रकोप कम होगा।

टिन्डा की फसल में तापमान बढने की अवस्था में सप्ताह में एक बार सिंचाई अवश्य करें। टिन्डा व ककडी को अपरिपक्व, नरम एंव कोमल अवस्था में तथा पूरी चमक रहते तोडें।

मिर्च की खरी फफसल के लिए नर्सरी में बुवाई करें। एक हैक्टेयर श्रैत्र के लिए 1 से 1.5 किलो ग्राम बीज का प्रयोग करें। पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पटना रैड, मथानियां लौंग मिर्च की उन्नत किस्में है।

पशुओं को दिन में तीन से चार बार पानी पिलाएं तथा तेज घूप के समय उन्हें छाया में रखें।